हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रत्यायित 'ए' ग्रेड विश्वविद्यालय)

हिंदी विभाग

समरहिल, शिमला-5

पाठ्यक्रम (स्नातक हिंदी)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020

सत्र 2025-2026

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों हेतु निर्धारित हिंदी पाठ्यक्रम

हिंदी भाषा और संप्रेषण

प्रश्नपत्र: Ability Enhancement Course (AEC-1)

Paper Code (AEC HIN 114)

समय : 1 घंटा 30 मिनट	सत्रांत परीक्षा :35	आन्तरिक मूल्यांकन:15	पूर्णांक : 50	क्रेडिट 2 : व्याख्यान 1, ट्यूटोरिअल 1

दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए आन्तरिक मूल्यांकन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (डेव) 2020 के नियमानुसार होगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

हिंदी व्याकरण की बारीकियों से अवगत करवाना।

भाषा के अस्तित्व एवं गहनता का अध्ययन करवाना।

सम्प्रेषण के स्वरूप और सिद्धांतों का ज्ञान देना।

अधिगम उपलब्धियाँ :

हिंदी की व्याकरणिक एवं भाषागत बारीकियों से अवगत हो सकेंगे।

सम्प्रेषण अवधारणा और प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे।

प्रभावी सम्प्रेषण के गुणों से संपन्न हो पाएंगे।

पाठ्यक्रम :

इकाई - 1

हिंदी का स्वरूप और विकास

हिंदी की व्याकणिक संरचना : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, उपसर्ग-प्रत्यय एवं समास।

शब्द, शब्द-रूप, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

इकाई - 2

सम्प्रेषण की अवधारणा

भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।

हिंदी वाक्य रचना : वाक्य और उपवाक्य।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक इकाई से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

सभी इकाइयों में से सात लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से पांच के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : 2× 10= 20 अंक

लघुत्तरीय प्रश्न : 5 ×3 = 15 अंक

अनुशंसित पुस्तकें :

सुधीर पचौरी, अचला शर्मा : नए जनसंचार माध्यम और हिंदी।

मंजु मुकुल : सम्प्रेषण : चिंतन और दक्षता।

समीता मिश्र : सूचना और सम्प्रेषण : तकनीकी की समझ।

रविन्द्र श्रीवास्तव : हिंदी का सामाजिक सन्दर्भ।

सुरेश कुमार : सम्प्रेषणपरक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप।